गाय/भैंस का आहार तालिका

आहार के प्रकार – प्रतिदिन (दोनो शाम मिलाकर)

(i) जीवन निर्वाह आहार - (a) भूसा = 6 Kg.
(b) दाना = 1.5 - 2 Kg.

(ii) उत्पादन आहार - (a) दूध देने वाली = 1 Kg./3Kg दूध
(b) गाभिन गाय/भैंस = 2 Kg. दाना
(c) हल चलने वाला = 2 Kg. दाना

(iii) अगर हरा चारा उपलब्ध तो तब -
दलहनी चारा = बरसीम, लोबिया, काऊपी
अदलहनी पारा = साधारण घास, ज्वार, बाजरा, सकई
* 6 कि०ग्रा० दलहनी चारा देकर 1 कि०ग्रा० दाना को कम करेगें।
* 12 कि०ग्रा० अदलहनी चारा देकर 1 Kg भुसा को कम कर सकते है।
लाभ :- जुगाली करनेवाली पशुओं में प्रायः सभी विटामिन्स का स्वतः निर्माण हो जाता है।

(iv) पानी -
(a) जीवन निवाह - 30 ली०
(b) उत्पादन 3 ली० पानी / 1 Kg. दूध

(v) नमक - 60 ग्राम नमक प्रतिदिन

संकलन -
डा० प्रकाश चन्द्र हिमांशु
(पशुपालक वैज्ञानिक)
कृषि वि० केन्द्र, मांझी, सारण

संपादक -
डा० आर० के० झा
कार्यक्रम समन्वयक
KVK Manjhi

Printed by : Shree Kamta Press, Salempur, Chapra

पशुओं के मुख्य संक्रामक रोग एवं बचाव हेतु टीकाकरण

कृषि विज्ञान केन्द्र, माँझी, सारण
राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा
समस्तीपुर, बिहार

पशुओं के मुख्य संक्रामक रोग एवं बचाव हेतु टीकाकरण तालिका

क्रं.सं.	रोग एवं टीका	टीकाकरण की विधि, टीका मात्रा आयु	टीके के सम्बन्ध में जानकारी
1.	खुरपका-मुँहपका रोग (खुरपका-मुँहपका इन्एक्टीवीटेड ओ, ए, व एशिया-1 टीका) (O, A 1 Asia-1)	गाय, भैंस एवं भेड़: 2. मि.ली. अन्त: माँसपेशी बकरी एवं सूकर : 1 मि.ली.	पहला टीका : 1 से 3 माह अआयु पर। दूसरा टीका : पहले टीके के 6 माह बाद। तदुपरांत : 6 माह के अन्तराल पर। उचित समय : मार्च-अपैल व सितम्बर अक्टूबर
2.	गलघोंटू रोग (गलघोटू तैल उद्दीपत टीका) लगड़ी रोग (बी०क्यू० टीका)	गाय व भैंस : 3 मि.ली. अधो त्वचा, माँसपेशी, भेड़, बकरी व बछड़ा/बछिया: 2 मि.ली. अन्त: माँसपेशी	पहला टीका 6 माह पर। उसके बाद वार्षिक टीकाकरण उचित समय : मई-जून ।
3.	तिल्ली ज्वर (एन्थ्रेक्स)(एन्थ्रेक्स बीजाणु का सजीव टीका)	गाय व भैंस व घोड़ा: 1 मि.ली. अधो त्वचा, शूकर, भेड़ व बकरी 0.5 मि.ली. अधो त्वचा	पहला टीका 4-6 माह पर। उसके बाद वार्षिक टीकाकरण उचित समय : मई-जून ।
4.	पी.पी. आर रोग	भेड़-बकरी : 1 मि.ली.	चार वर्ष के अन्तराल पर प्रजनन हेतु प्रयुक्त भेड-बकरी में दो टीके सम्पूर्ण जीवन बचा सकते हैं। माँस वाली भैड़-बकरी में एक टीका ही पर्याप्त होता है।
5.	भेड़, बकरी, चेचक (भेड़, बकरी, चेचक टीका)	अधो त्वचा/माँसपेशी में भेड़, बकरी, 0.3 ग्राम ट्राईचुरेटिड टीके का 30 मि.ली. गिलसरीन के लवणीय घोल में मिलाककर प्रति 100 व्यस्क पशु	पहला टीका 3 माह पर। उसके बाद 1 वर्ष के अंतराल
6.	शूकर ज्वर (स्वाइन फीवर टीका)	अधो त्वचा शूकर, मि.ली.	पहला टीका 2 माह की आयु पर तदुपरांत वार्षिक टीकाकरण
7.	पागल कुत्ते के काटने पर रेबीज रोग (चूजा भ्रणीकृत रेबीज बचाव टीका)	अधो त्वचा या अन्त: माँसपेशी श्वान: 3 मि.ली. 4-6 माह की आयु में	पहला टीका : 4-6 माह आयु पर। अनुवर्धक टीका: 6 माह बाद। तदुपरांत प्रत्येक तीन वर्षो पर।
8.	रेबीज कोशिका संबर्धित टीका	अधो त्वचा/माँसपेशी, श्वान: 1 मि.ली. गाय, भैंस, भेड़, बकरी, घोड़ा एवं शूकर: छोटे पशु में 1 मि.ली. तथा बड़े व भारी पशु में 2 मि.ली.	काटने से पहले 0, 7 व 28 दिन के अन्तराल पर। काटने के उपरान्त-0, 3, 7, 14 व 28 दिनों पर।